



Tibetan Buddhist Resource Center

Text Scan Input Form - Title Page

Work:	W3MS112	ImageGroup:	I3MS114
LCCN:	n/a	ISBN:	n/a

Title:	ཅུ་ཁོག་ཕྱོགས་སུ་བཞུགས་པའི་ཕྱག་བྲིས་བསྟར་མའི་སྒོར། rtse khog phyogs su bzhugs pa'i phyag bris bstar ma'i skor/
Author:	to-be-supplied to-be-supplied
Descriptor:	n/a
Original Publication:	n/a
Place:	n/a
Publisher:	n/a
Date:	n/a
Volume:	1
Total Volumes:	1
TBRC Pages:	2
Introductory Pages:	n/a
Text Pages:	n/a
Scanning Information:	Scanned at Scanned in partnership with Tibetan Buddhist Resource Center, Cambridge, MA, USA. Comments: DPL-480 RFP 86

|| ཨྌ || ཁྲམ་མཆོད་པ་རིཾ་པ་ལྷུ་པ་པ་ || ||

與

卷之四

2001

པདྨ་འཕེལ་བཤུགས་

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

卷之四

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

यथाह

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

24.

ཕྱི་ལོ་
ལྷོ་ལོ་
ལྷོ་ལོ་

༡༡

འཁོལ་ལོ་རྒྱལ་ལོ་མཆོལ་ འཁོལ་
ཆོལ་ལོ་རྒྱལ་ལོ་མཆོལ་ འཁོལ་
ཆོལ་ལོ་རྒྱལ་ལོ་མཆོལ་

ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཕྱུང་པ་དེ་ལྟར་ཡུལ་པ་དང་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཕྱུང་པ་དེ་ལྟར་ཡུལ་པ་
ཡིད་པ་ཆེན་པོ་ལྟར་ འདྲི་ཆེན་པོ་ལྟར་ཡུལ་པ་དང་ཡུལ་པ་དང་ཡུལ་པ་ རྒྱལ་པོ་ལྟར་ཡུལ་པ་ལྟར་ཡུལ་པ་
ཡུལ་པ་དང་ རྒྱལ་པོ་ལྟར་ཡུལ་པ་ལྟར་ཡུལ་པ་ ཡུལ་པ་དང་ཡུལ་པ་ ཡུལ་པ་དང་ཡུལ་པ་
ཡུལ་པ་དང་ཡུལ་པ་ ཡུལ་པ་དང་ཡུལ་པ་ ཡུལ་པ་དང་ཡུལ་པ་ ཡུལ་པ་དང་ཡུལ་པ་ ཡུལ་པ་དང་ཡུལ་པ་
ཡུལ་པ་དང་ཡུལ་པ་ ཡུལ་པ་དང་ཡུལ་པ་ ཡུལ་པ་དང་ཡུལ་པ་ ཡུལ་པ་དང་ཡུལ་པ་ ཡུལ་པ་དང་ཡུལ་པ་

20

221

विद्वान्महर्षिः श्रुत्वा तदा मुनिवन्द्यम् ।

शेवामवच्छिन्नविषयमप्युहपक्षमप्युह

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ अथ यथाशुद्धं वाच्यं पर

[illegible]

येरुमुअङ्गुनयेत्यस्य॥

མདུག་ལྷན་པ་ཅད་ལས་ལྷན་པ་འཛིན་

पुनरेवमपि कदापि न भविष्यति

॥ देव्या ॥ ५५५५ ॥ ५५५५ ॥

10

ཡེ་ཤེས་ཀྱི་འཕྲིན་ལྷན་པུ་ཤེས་ཀྱི་འཕྲིན་ལྷན་པུ་ཤེས་ཀྱི་འཕྲིན་ལྷན་པུ་

विद्यावत्सुदयम्

हिसाब अर्थात् वास्तव

卷之四

의
영
서

[illegible]

21

卷之四
 四庫全書
 四庫全書

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

五

पञ्चदशसुखसुखददेवसुखसुख
निदामसुखसुखसुखसुखसुखसुख
सुखसुखसुखसुखसुखसुखसुखसुख

येन नृपदेव्यायुधम् । देसाक्षेयस्य परितोऽहं पश्येत्तुष्टम् । अरक्तुस्तर्कस्तद्व्याप्तयोः परिपालका

외방

ལམ་ཏེ་དེ་ལྟར། །ཡོད་ཅད་ཀུན་ཏུ་མཆོག་ལ་འཕྲུ་ཤམ་དེ་སྒྲུབ་པུ་ལ། །ཁེ་ལམ་ཏུ་ལམ་ཏེ་ཏུ་ལ། །དེ།

[illegible]

299

ཆད་མེད་པའི་སྒྲིབ་པ་ལྟར་ལྟར་

महाराष्ट्र

परीक्षा सुविधा

सुख

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

पञ्चमः मन्त्रः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

འདྲི་བརྒྱུད་ཀྱི་སྐོར་གྱི་ལྟ་སྤྲོད་

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

221

५१

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

पञ्चमस्यैवमन्त्रोऽयं

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

॥ दपरेकैय ॥

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे श्रीकृष्ण उवाच ॥
 दृष्ट्वा तु पाण्डुपुत्रो पाण्डुपुत्रो वीर्यवान् ॥
 धनुर्धरं तपस्यवान् धर्मवतं सज्जनवान् ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ २ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ३ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ४ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ५ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ६ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ७ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ८ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ९ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ १० ॥

[illegible]

20

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।

[illegible]

卷

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

五

॥ अहंकारः ॥ समस्तव्यक्त्यापन्नकृत्यैवेति ॥ आदरमुत्तरं दयार्थं च कुरुष्व वक्ष्ये ॥

[illegible]

ॐ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

विष्णुं नमस्कृत्य ॥

भगवते नमः ॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥

विष्णुं नमस्कृत्य ॥

भगवते नमः ॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥

भगवते नमः ॥

भगवते नमः ॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

ཆེན་པོ། །དད་པའི་སེམས་སྤྲུལ་ལྷ་སྤྲུལ་མེད་པའི་མཆོད་པ། །སྤྲུལ་སྤྲུལ་མཁོན་པོ་ལྷ་སྤྲུལ་ཆེན་པོ་ཆེད་པ།
དཔུང་པོ་པར་བསྟེ། །དེ་སྤྲུལ་སྤྲུལ་པོ་དཔུང་པོ་དཔུང་པོ་ཆེན་པོ་ཆེད་པ། །མིང་ཆེན་པོ་ཆེན་པོ་ཆེད་པ།
ལས་པོ་དཔུང་པོ་ཆེད་པ། །ལས་པོ་དཔུང་པོ་ཆེད་པ། །ལས་པོ་དཔུང་པོ་ཆེད་པ། །ལས་པོ་དཔུང་པོ་ཆེད་པ།
ཆེན་པོ་ཆེད་པ། །ཆེན་པོ་ཆེད་པ། །ཆེན་པོ་ཆེད་པ། །ཆེན་པོ་ཆེད་པ།
པོ་དཔུང་པོ་དཔུང་པོ་ཆེད་པ། །པོ་དཔུང་པོ་དཔུང་པོ་ཆེད་པ། །པོ་དཔུང་པོ་དཔུང་པོ་ཆེད་པ། །

[illegible]

卷之四

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
प्रथमांशः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ

पु

अ

ॐ

पु

अ

पु

अ

ॐ

पु

अ

पु

अ

ॐ

पु

अ

पु

अ

[illegible]

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

12

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

सिद्धि

पुनः प्राप्य पदं तदुक्तं यत्पुनः प्राप्य

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

五

མེད་ལྷན་སྒྲུབ་པ་ལ་འཕྲུལ་པ་དང་།

[illegible]

四

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

10

[illegible]

[illegible]

[illegible]

24

221

[illegible]

一

ལྷན་པ་དཔལ་ལྷན་

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

本

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

འཇིགས་མེད་ཀྱི་རྒྱལ་བོ་ཡི་ཕུང་པོ་ལྟ་བུ་ལྷན་སྐྱེས་པའི་ཆོས་ཀྱི་ཁྲིམས་ཀློང་།

98

ཡེ་ཤེས་འདོད་ཤུངས་

[illegible]

ཡེད་མེད་ལེས།

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]



24

मन्त्रादिपद्येव

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

विष्णुदत्तकृत्यापराधपञ्चक

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम्

[illegible]

卷之四

འདྲི་བརྒྱུད་ཀྱི་སྐོར་གྱི་མཛན་པ་

卷之五

॥ कृष्णाय नमः ॥

किंवा

[The following text is extremely faint and largely illegible due to low contrast and blurring.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[illegible]

20

129

॥ अथ दशरथस्य मृत्युः ॥

འཕགས་པ་ལྷ་མོ་ཡི་མཆོད་པའི་མཁའ་མཛོད་

三

पठेद्व्याख्यानं कृत्वा धर्मपथं पठेत्

འདྲི་བརྒྱུད་ཀྱི་སྐོར་གྱི་མཛན་པ་

५५

[illegible]

॥ अर्चनं कुरु ॥

४५

[illegible]

विष्णुसुखाविष्णुसुखा

[illegible]

此後復有...

ལམ་ལོན་ལྷོད་པ་དང་།

[illegible]

[illegible]

ལྷ་མོ་འཕྲུལ་པ་མཐོང་པ་ལྷ་མོ་འཕྲུལ་པ་མཐོང་པ་

ལྷ་མོ་འཕྲུལ་པ་མཐོང་པ་ལྷ་མོ་འཕྲུལ་པ་མཐོང་པ་

ལྷ་མོ་འཕྲུལ་པ་མཐོང་པ་ལྷ་མོ་འཕྲུལ་པ་མཐོང་པ་

ལྷ་མོ་འཕྲུལ་པ་མཐོང་པ་ལྷ་མོ་འཕྲུལ་པ་མཐོང་པ་

ལྷ་མོ་འཕྲུལ་པ་མཐོང་པ་

ལྷ་མོ་འཕྲུལ་པ་མཐོང་པ་ལྷ་མོ་འཕྲུལ་པ་མཐོང་པ་

ལྷ་མོ་འཕྲུལ་པ་མཐོང་པ་ལྷ་མོ་འཕྲུལ་པ་མཐོང་པ་

ལྷ་མོ་འཕྲུལ་པ་མཐོང་པ་

ལྷ་མོ་འཕྲུལ་པ་མཐོང་པ་ལྷ་མོ་འཕྲུལ་པ་མཐོང་པ་

ལྷ་མོ་འཕྲུལ་པ་མཐོང་པ་

ལྷ་མོ་འཕྲུལ་པ་མཐོང་པ་ལྷ་མོ་འཕྲུལ་པ་མཐོང་པ་

24

ॐ

विष्णुपदम्

सप्तशतकं यथावत्

सप्तशतकं यथावत्

पञ्चशतकं यथावत्

सप्तशतकं यथावत्

सप्तशतकं यथावत्

सप्तशतकं यथावत्

सप्तशतकं यथावत्

सप्तशतकं यथावत्

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]



॥ ७७ ॥ पद्मकोटिपिडित्वावकुलेनेपेपुत्रनीवज्जगवज्जगपापे ॥

॥ १०॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीधर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे
 अर्जुन ॥ कपिलमुनिप्रसन्नो भगवान्ब्रह्मविद्यायां अर्जुन
 उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥
 मामकाः पाण्डवाश्चैव ततः सामान्यतमः ॥

१७॥ मा निमोदस्यप्यमापन्नद्वेनदीष्टैकपिदा
वदिमीदृशत्वात्वा शुभंमामा शुभमपामोवदुतावाएनीदृश
वोत्पान्नात्वा कामयेवकवेदवद्विज्ञोपावपिनाएवाए
श्रुतदीष्टैवप्यपिमा आमापिदेवोद्विवावद्वानेपत्य

[illegible]

७७।

एवां विद्यमानाद्यैः वापि । श्रीमद्भगवत्पुत्रोऽयं वल्लभात्तवोऽयं वल्लभात्तवोऽयं वल्लभात्तवोऽयं
पुत्रोऽयं वल्लभात्तवोऽयं वल्लभात्तवोऽयं वल्लभात्तवोऽयं वल्लभात्तवोऽयं वल्लभात्तवोऽयं वल्लभात्तवोऽयं
श्रीमद्भगवत्पुत्रोऽयं वल्लभात्तवोऽयं वल्लभात्तवोऽयं वल्लभात्तवोऽयं वल्लभात्तवोऽयं वल्लभात्तवोऽयं
कुलपुत्रोऽयं वल्लभात्तवोऽयं वल्लभात्तवोऽयं वल्लभात्तवोऽयं वल्लभात्तवोऽयं वल्लभात्तवोऽयं
तवोऽयं वल्लभात्तवोऽयं वल्लभात्तवोऽयं वल्लभात्तवोऽयं वल्लभात्तवोऽयं वल्लभात्तवोऽयं
७७। श्रीमद्भगवत्पुत्रोऽयं वल्लभात्तवोऽयं वल्लभात्तवोऽयं वल्लभात्तवोऽयं वल्लभात्तवोऽयं वल्लभात्तवोऽयं

[illegible]

[illegible]

برج

२७७। मरुदेवस्य पुत्रोऽयं पश्येत्पुत्रं सौमित्रं धर्मपुत्रं पश्येत्पुत्रं ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीता ॥
अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अर्जुन उवाच ॥
धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥
मामकाश्च पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥

[illegible]

卷之五

[illegible]

[illegible]

日

[illegible]

291

[illegible]

དུམ་ལ་འཕར་པའི་ཕྱི་རྒྱུ་འཕམ་ཤིང་། །འདམ་ཐིན་པ་ཆུ་དཔུ་རེ་བཞིན་པ་འགག་པ་མེ་ཆོ། །མཆི་མོ་དག་ནས་ཕྱག་སྐྱེས་
 རྒྱུ་ལ་པར་ཕྱིན་གྱིས་ཆོ་བས། །རྒྱ་གཡུ་ས་རྒྱ་མ་ཤེས་ཕྱི་མ་པར་ཕྱི་མ་པར། །ཕྱི་དཔུག་ས་རྒྱ་མཆོ་དག་ཅེས་སྐྱེས་
 འགས་པ་མེས། །མའ་མེ་འཕམ་པའི་ཕྱི་རྒྱུ་འཕམ་པ་མེ་ཆོ། །དེ་ཤེས་ཕྱག་སྐྱེས་ཕྱི་མ་པར་ཕྱི་མ་པར། །
 སྐྱེས་མཆི་དཔུག་ས་ཕྱི་མ་པར་ཕྱི་མ་པར། །ཕྱི་མ་པར་ཕྱི་མ་པར་ཕྱི་མ་པར། །ཕྱི་མ་པར་ཕྱི་མ་པར་ཕྱི་མ་པར།
 ཕྱི་མ་པར་ཕྱི་མ་པར་ཕྱི་མ་པར། །ཕྱི་མ་པར་ཕྱི་མ་པར་ཕྱི་མ་པར། །ཕྱི་མ་པར་ཕྱི་མ་པར་ཕྱི་མ་པར།

१७३५ श्रीवत्सलप्रीतदीवाकावचनश्रुतिप्रमाणेनहीमिदमावहेतीह भुवनमीमांसिनी। कावचप्रवण्डाया

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

७०॥ नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

२७॥ वातकोष्ठिका शरीरानीशमदोः उपपन्नवत्प्रवृत्तवत्
मित्राणां कुतस्तथावद्व्यवसायिनीनां वेनीवत्प्रवृत्तवत्प्रवृत्तवत्
नदीनां कोपीप्रवृत्तवत्प्रवृत्तवत् कोपीप्रवृत्तवत्प्रवृत्तवत्
पत्नीवत्प्रवृत्तवत् कोपीप्रवृत्तवत्प्रवृत्तवत् प्रवृत्तवत्प्रवृत्तवत्
पत्नी वत्प्रवृत्तवत्प्रवृत्तवत् कोपी वत्प्रवृत्तवत्प्रवृत्तवत्
कोपीप्रवृत्तवत्प्रवृत्तवत् कोपीप्रवृत्तवत्प्रवृत्तवत्
कोपीप्रवृत्तवत्प्रवृत्तवत् कोपीप्रवृत्तवत्प्रवृत्तवत्

नमः परानी नमो देवतये परानी नमो देवतये परानी नमो देवतये परानी नमो देवतये परानी
देवतये परानी नमो देवतये परानी नमो देवतये परानी नमो देवतये परानी नमो देवतये परानी
नमो देवतये परानी नमो देवतये परानी नमो देवतये परानी नमो देवतये परानी नमो देवतये परानी
नमो देवतये परानी नमो देवतये परानी नमो देवतये परानी नमो देवतये परानी नमो देवतये परानी

२०॥ शुभाष्टमिवादिदेवतापिपात्रो। शुभप्रत्युषावेदोपायविशेषः। शुभान्तरा
शुभंतेतिहा। वापसावागिधमापेक्षितोवाप्रेतम्। वाप्राजनेष्टी। वाप्रापिपात्रो। वापरे
शुभम्। वैराज्योपायवद्देशे। श्रुत्वावाप्रागितिहासोपायवद्देशे। वाप्रापिपात्रो। वापरे
वर्ष्माप्राप्तौ। विष्णोर्विश्वम्। वैराज्यवद्देशे। वाप्रापिपात्रो। वापरे
कोपाप्राप्तौ। वाप्रापिपात्रो। वापरे
कोपाप्राप्तौ। वाप्रापिपात्रो। वापरे

इषाशीवृषाद॥ अथानुवोपवात्पात्रायातिवेषमावाप्त॥ कोपत्पात्रं शुवात्पात्रात्प्रोत्थे
नैवेद्येवातनोपायती. वरागवोत्तिष्ठ॥ अतरेषुपात्रवत्पात्रं तद्वीवावावोत्तिष्ठ॥ अतरेषु
वत्पात्रं कोपत्पात्रं तद्वीवावात्पात्रं तद्वीवावात्पात्रं तद्वीवावात्पात्रं तद्वीवावात्पात्रं
तपा. अथानुवोपवात्पात्रायातिवेषमावाप्त॥ कोपत्पात्रं शुवात्पात्रात्प्रोत्थे
श्रीवृषाद्वीवात्पात्रात्प्रोत्थे तद्वीवावात्पात्रं तद्वीवावात्पात्रं तद्वीवावात्पात्रं तद्वीवावात्पात्रं
अथानुवोपवात्पात्रायातिवेषमावाप्त॥ अथानुवोपवात्पात्रायातिवेषमावाप्त॥ अथानुवोपवात्पात्रायातिवेषमावाप्त॥

॥

[illegible]

2511

[illegible]

[illegible]

[illegible]

१७॥ गोवाणीमोपकिरेवपत्रो॥ रयेदोपपलीपनावपो॥ व॥ व॥ व॥ व॥
 वतीत्रेक॥ तपतीवनव॥ व॥ व॥ व॥ व॥ व॥ व॥ व॥ व॥
 व॥ व॥ व॥ व॥ व॥ व॥ व॥ व॥ व॥ व॥ व॥ व॥ व॥ व॥
 व॥ व॥ व॥ व॥ व॥ व॥ व॥ व॥ व॥ व॥ व॥ व॥ व॥ व॥
 व॥ व॥ व॥ व॥ व॥ व॥ व॥ व॥ व॥ व॥ व॥ व॥ व॥ व॥
 व॥ व॥ व॥ व॥ व॥ व॥ व॥ व॥ व॥ व॥ व॥ व॥ व॥ व॥
 व॥ व॥ व॥ व॥ व॥ व॥ व॥ व॥ व॥ व॥ व॥ व॥ व॥ व॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥ ५७ ॥ दिद्विक्वदसद्विक्वदसिचकुचसुताया ॥ ॥

夢

ॐ। विष्णुः नमो नन्देयः सुखं यत्तदन्देयः प्रीतिः सुखं यत्तद
नन्देयः प्रीतिः सुखं यत्तदन्देयः प्रीतिः सुखं यत्तद
नन्देयः प्रीतिः सुखं यत्तदन्देयः प्रीतिः सुखं यत्तद
नन्देयः प्रीतिः सुखं यत्तदन्देयः प्रीतिः सुखं यत्तद
नन्देयः प्रीतिः सुखं यत्तदन्देयः प्रीतिः सुखं यत्तद

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ वीर्यं वा । विष्णुं वा । वरुणं वा । श्रुं वा । सत्त्वं वा । सुखं वा ।
सुखं वा । सुखं वा । सुखं वा । सुखं वा । सुखं वा । सुखं वा । सुखं वा । सुखं वा । सुखं वा । सुखं वा ।
सुखं वा । सुखं वा । सुखं वा । सुखं वा । सुखं वा । सुखं वा । सुखं वा । सुखं वा । सुखं वा । सुखं वा ।
सुखं वा । सुखं वा । सुखं वा । सुखं वा । सुखं वा । सुखं वा । सुखं वा । सुखं वा । सुखं वा । सुखं वा ।
सुखं वा । सुखं वा । सुखं वा । सुखं वा । सुखं वा । सुखं वा । सुखं वा । सुखं वा । सुखं वा । सुखं वा ।
सुखं वा । सुखं वा । सुखं वा । सुखं वा । सुखं वा । सुखं वा । सुखं वा । सुखं वा । सुखं वा । सुखं वा ।

[illegible]

ॐ

गङ्गाया नमः शिवाय नमः गङ्गाया नमः शिवाय नमः गङ्गाया नमः शिवाय नमः

गङ्गाया नमः शिवाय नमः गङ्गाया नमः शिवाय नमः गङ्गाया नमः शिवाय नमः

गङ्गाया नमः शिवाय नमः गङ्गाया नमः शिवाय नमः गङ्गाया नमः शिवाय नमः

गङ्गाया नमः शिवाय नमः गङ्गाया नमः शिवाय नमः गङ्गाया नमः शिवाय नमः

गङ्गाया नमः शिवाय नमः गङ्गाया नमः शिवाय नमः गङ्गाया नमः शिवाय नमः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[illegible]

盤

[illegible]

[illegible]

॥ श्रीगुरुदेवार्पणं नमः ॥

卷之四

ॐ । नमः शिवाय । कुम्भारुद्रमुखाय । इति मन्त्रः
 यस्तु सप्तदशैकं च दत्तम् । इत्येवमुक्त्वा तदा तदा
 पठेत् । अथ उक्तं श्रीगणेशाय नमः ।
 अथ विष्णवे नमः । इति मन्त्रः ।

[illegible]

[illegible]

一

[illegible]

ཐུགས་ཀྱི་འཕྲིན་ལྷན་པ་

བཞུགས་པ་

༡༥༥ །འདྲེན་པ་ཐུགས་ཀྱི་འཕྲིན་ལྷན་པ་། དེ་ལྟར་འཕྲིན་ལྷན་པ་དང་འཕྲིན་ལྷན་པ་།
འཕྲིན་ལྷན་པ་ཐུགས་ཀྱི་འཕྲིན་ལྷན་པ་། ཐུགས་ཀྱི་འཕྲིན་ལྷན་པ་ཐུགས་ཀྱི་འཕྲིན་ལྷན་པ་།
ཐུགས་ཀྱི་འཕྲིན་ལྷན་པ་ཐུགས་ཀྱི་འཕྲིན་ལྷན་པ་ཐུགས་ཀྱི་འཕྲིན་ལྷན་པ་། ཐུགས་ཀྱི་འཕྲིན་ལྷན་པ་།
ཐུགས་ཀྱི་འཕྲིན་ལྷན་པ་ཐུགས་ཀྱི་འཕྲིན་ལྷན་པ་ཐུགས་ཀྱི་འཕྲིན་ལྷན་པ་། ཐུགས་ཀྱི་འཕྲིན་ལྷན་པ་།
ཐུགས་ཀྱི་འཕྲིན་ལྷན་པ་ཐུགས་ཀྱི་འཕྲིན་ལྷན་པ་ཐུགས་ཀྱི་འཕྲིན་ལྷན་པ་། ཐུགས་ཀྱི་འཕྲིན་ལྷན་པ་།

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷之五

[illegible]

[illegible]

ལུ་ཤེས་པ་
འཆད་

༡༩༩། འཇམ་མེད་ལྷ་རྩེ་ལ། འཇམ་མེད་ལྷ་རྩེ་ལ། འཇམ་མེད་ལྷ་རྩེ་ལ། འཇམ་མེད་ལྷ་རྩེ་ལ།
འཇམ་མེད་ལྷ་རྩེ་ལ། འཇམ་མེད་ལྷ་རྩེ་ལ། འཇམ་མེད་ལྷ་རྩེ་ལ། འཇམ་མེད་ལྷ་རྩེ་ལ།
འཇམ་མེད་ལྷ་རྩེ་ལ། འཇམ་མེད་ལྷ་རྩེ་ལ། འཇམ་མེད་ལྷ་རྩེ་ལ། འཇམ་མེད་ལྷ་རྩེ་ལ།
འཇམ་མེད་ལྷ་རྩེ་ལ། འཇམ་མེད་ལྷ་རྩེ་ལ། འཇམ་མེད་ལྷ་རྩེ་ལ། འཇམ་མེད་ལྷ་རྩེ་ལ།
འཇམ་མེད་ལྷ་རྩེ་ལ། འཇམ་མེད་ལྷ་རྩེ་ལ། འཇམ་མེད་ལྷ་རྩེ་ལ། འཇམ་མེད་ལྷ་རྩེ་ལ།

[illegible]

[illegible]

[illegible]

聖賢

ལྟུང་། ལམ་ རྒྱལ་ཁབ་ལ་གཞོན་པམ་ཕྱིན་ཅིག །ཕན་པའི་འབྲས་ལུ་པད་པལ་རྩུ་
གཞོན་པའི་པའི་འབྲས་ལུ་རྩུག་པར་ལས་ཕུང་། ལམ་ཕོ་ཆོ་པ་རྣམས་པ་པའི་ས།
འབྲས་ལུ་ཆོ་པ་རྩུ་དཔར་ལ་ལྟུང་། ལམ་ཕོ་ཆོ་པ་པ་པ་ལ་ལྟུང་། ལམ་ཕོ་ཆོ་པ་
པ་པ་པ་ལ་ལྟུང་། ལམ་ཕོ་ཆོ་པ་པ་པ་པ་ལ་ལྟུང་། ལམ་ཕོ་ཆོ་པ་པ་པ་པ་ལ་ལྟུང་། ལམ་ཕོ་ཆོ་པ་
པ་པ་པ་ལ་ལྟུང་། ལམ་ཕོ་ཆོ་པ་པ་པ་པ་ལ་ལྟུང་། ལམ་ཕོ་ཆོ་པ་པ་པ་པ་ལ་ལྟུང་། ལམ་ཕོ་ཆོ་པ་

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ देवदत्तपुत्राय नमः ॥
 पद्मसुतः श्रीकृष्णपञ्चदश्याम् ॥ श्रीमद्भगवत्पुत्राय नमः ॥ १ ॥
 श्रीकृष्णपञ्चदश्याम् ॥ श्रीकृष्णपञ्चदश्याम् ॥ २ ॥
 श्रीकृष्णपञ्चदश्याम् ॥ श्रीकृष्णपञ्चदश्याम् ॥ ३ ॥
 श्रीकृष्णपञ्चदश्याम् ॥ श्रीकृष्णपञ्चदश्याम् ॥ ४ ॥
 श्रीकृष्णपञ्चदश्याम् ॥ श्रीकृष्णपञ्चदश्याम् ॥ ५ ॥
 श्रीकृष्णपञ्चदश्याम् ॥ श्रीकृष्णपञ्चदश्याम् ॥ ६ ॥
 श्रीकृष्णपञ्चदश्याम् ॥ श्रीकृष्णपञ्चदश्याम् ॥ ७ ॥
 श्रीकृष्णपञ्चदश्याम् ॥ श्रीकृष्णपञ्चदश्याम् ॥ ८ ॥
 श्रीकृष्णपञ्चदश्याम् ॥ श्रीकृष्णपञ्चदश्याम् ॥ ९ ॥
 श्रीकृष्णपञ्चदश्याम् ॥ श्रीकृष्णपञ्चदश्याम् ॥ १० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

२

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥
अष्टमोऽध्यायः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ २ ॥
 श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ ३ ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ ४ ॥
 श्रीविष्णवे नमः ॥ ५ ॥
 श्रीशिवाय नमः ॥ ६ ॥
 श्रीब्रह्माय नमः ॥ ७ ॥
 श्रीमहेश्वराय नमः ॥ ८ ॥
 श्रीनारायणाय नमः ॥ ९ ॥
 श्रीवसुदेवाय नमः ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॥ अथ श्रीगणेशपूजाविधिः ॥
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ १२॥ मन्त्रावाप्यमीमन्त्रावाप्य ॥ त्वीदृशान् ॥ अद्विद्वान् ॥ अर्क ॥ अर्क ॥ अर्क ॥
॥ १३॥ देवा ॥ अर्क ॥ अर्क ॥ अर्क ॥ अर्क ॥ अर्क ॥ अर्क ॥ अर्क ॥ अर्क ॥ अर्क ॥
॥ १४॥ नर्वन् ॥ ॥ अर्क ॥ अर्क ॥ अर्क ॥ अर्क ॥ अर्क ॥ अर्क ॥ अर्क ॥ अर्क ॥ अर्क ॥
॥ १५॥ अर्क ॥ अर्क ॥ अर्क ॥ अर्क ॥ अर्क ॥ अर्क ॥ अर्क ॥ अर्क ॥ अर्क ॥
॥ १६॥ अर्क ॥ अर्क ॥ अर्क ॥ अर्क ॥ अर्क ॥ अर्क ॥ अर्क ॥ अर्क ॥ अर्क ॥
॥ १७॥ अर्क ॥ अर्क ॥ अर्क ॥ अर्क ॥ अर्क ॥ अर्क ॥ अर्क ॥ अर्क ॥ अर्क ॥

[illegible]

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

[illegible]

०१॥०२॥०३॥०४॥०५॥०६॥०७॥०८॥०९॥१०॥११॥१२॥१३॥१४॥१५॥१६॥१७॥१८॥१९॥२०॥२१॥२२॥२३॥२४॥२५॥२६॥२७॥२८॥२९॥३०॥३१॥३२॥३३॥३४॥३५॥३६॥३७॥३८॥३९॥४०॥४१॥४२॥४३॥४४॥४५॥४६॥४७॥४८॥४९॥५०॥५१॥५२॥५३॥५४॥५५॥५६॥५७॥५८॥५९॥६०॥६१॥६२॥६३॥६४॥६५॥६६॥६७॥६८॥६९॥७०॥७१॥७२॥७३॥७४॥७५॥७६॥७७॥७८॥७९॥८०॥८१॥८२॥८३॥८४॥८५॥८६॥८७॥८८॥८९॥९०॥९१॥९२॥९३॥९४॥९५॥९६॥९७॥९८॥९९॥१००॥

[illegible]

[illegible]

10

११॥ अथ प्रथमः कः वा तव वदतु ॥ अथ मन्त्रेण प्रकृतं = मिमं वदामि वदतु = प्रथमः
प्रथमः = प्रथमः कः वा तव वदतु ॥ कः वा प्रकृतं = मन्त्रेण प्रकृतं वदामि वदतु
कः वा प्रकृतं मन्त्रेण प्रकृतं वदामि वदतु ॥ वदतु मन्त्रेण प्रकृतं वदामि वदतु
कः वा प्रकृतं मन्त्रेण प्रकृतं वदामि वदतु ॥ वदतु मन्त्रेण प्रकृतं वदामि वदतु
कः वा प्रकृतं मन्त्रेण प्रकृतं वदामि वदतु ॥ वदतु मन्त्रेण प्रकृतं वदामि वदतु
कः वा प्रकृतं मन्त्रेण प्रकृतं वदामि वदतु ॥ वदतु मन्त्रेण प्रकृतं वदामि वदतु

॥ १॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

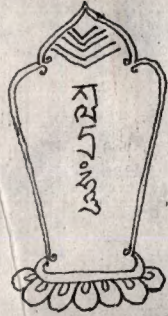
६८

२२१ बाभोलीका मजमनावलीप्रमाणेसोला बाभोलीबाबाभोलीका इष्टी
वलीप्रमाणेसोला बाभोलीबाबाभोलीका मीमोवलीप्रमाणेसोला इष्टी
लीन = बाभोलीकाप्रमाणेसोला बाभोलीन = बाभोलीकाप्रमाणेसोला इष्टी
मीमोवलीका इष्टीबाभोलीका इष्टीबाभोलीका इष्टीबाभोलीका
बाभोलीका इष्टीबाभोलीका इष्टीबाभोलीका इष्टीबाभोलीका
बाभोलीका इष्टीबाभोलीका इष्टीबाभोलीका इष्टीबाभोलीका

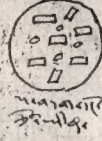
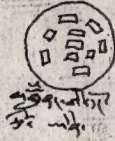
[illegible]

[illegible]

Handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript or letter. The text is written on aged, slightly stained paper. The script is cursive and appears to be from the 19th or early 20th century. The text is arranged in several lines, with some words underlined or written in a larger, bolder script. The overall tone is formal and respectful.



ਪ੍ਰਾਚੀਨ ਭਾਰਤੀ ਸਾਹਿਤ
 ਅਧਿਐਨ ਕਰਮ ਵਿਸ਼ਵਕੋਸ਼
 ਪ੍ਰੋਫੈਸਰ ਡਾ. ਹਰਿਦਾਸ ਕੋਟਕੀ
 ਡਾ. ਕੋਟਕੀ ਪ੍ਰੋਫੈਸਰ ਡਾ. ਕੋਟਕੀ
 ਪ੍ਰੋਫੈਸਰ ਡਾ. ਕੋਟਕੀ ਪ੍ਰੋਫੈਸਰ
 ਡਾ. ਕੋਟਕੀ ਪ੍ਰੋਫੈਸਰ ਡਾ. ਕੋਟਕੀ



ਪ੍ਰਾਚੀਨ ਭਾਰਤੀ ਸਾਹਿਤ ਪ੍ਰੋਫੈਸਰ ਡਾ. ਕੋਟਕੀ	ਪ੍ਰਾਚੀਨ ਭਾਰਤੀ ਸਾਹਿਤ ਪ੍ਰੋਫੈਸਰ ਡਾ. ਕੋਟਕੀ	ਪ੍ਰਾਚੀਨ ਭਾਰਤੀ ਸਾਹਿਤ ਪ੍ਰੋਫੈਸਰ ਡਾ. ਕੋਟਕੀ	ਪ੍ਰਾਚੀਨ ਭਾਰਤੀ ਸਾਹਿਤ ਪ੍ਰੋਫੈਸਰ ਡਾ. ਕੋਟਕੀ	ਪ੍ਰਾਚੀਨ ਭਾਰਤੀ ਸਾਹਿਤ ਪ੍ਰੋਫੈਸਰ ਡਾ. ਕੋਟਕੀ
੨੬	੨੭	੨੮	੨੯	੩੦

